आज़ादी का अमृत महोत्सव

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम

आत्मनिर्भर, शिक्षित एवं सशक्त जनजाति

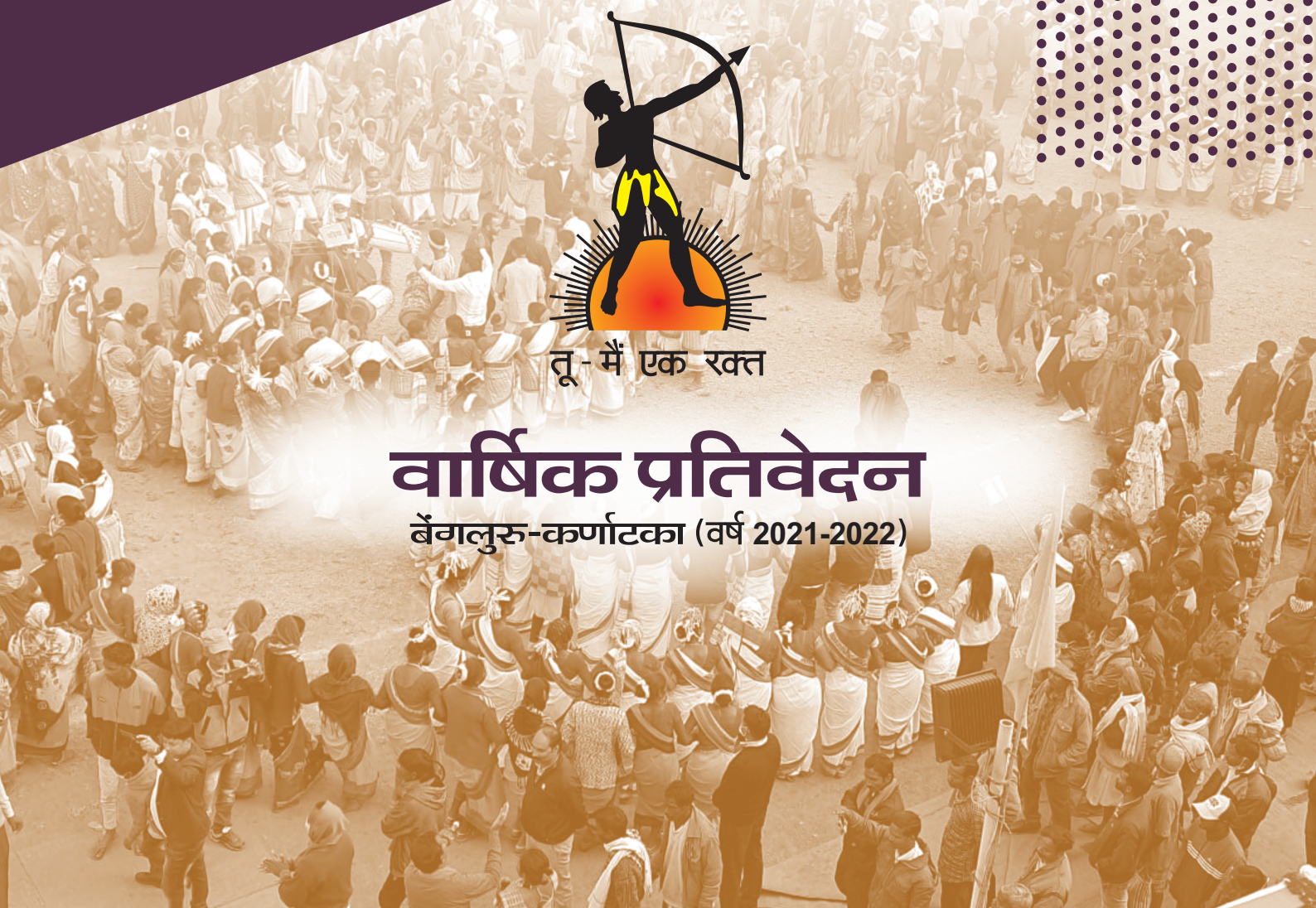

तू - मैं एक रक्त

वार्षिक प्रतिवेदन

बेंगलुरु-कर्णाटका (वर्ष 2021-2022)

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपने अतुलनीय शौर्य एवं पराक्रम का परिचय देने वाले सभी ज्ञात अज्ञात जनजाति वीरों को शत् शत् नमन...

हमारी बात...

सादर नमस्कार...

यह वर्ष हमारे भारतीय स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव वर्ष है । इस वर्ष में कल्याण आश्रम द्वारा हुए विभिन्न कार्यक्रम, उपक्रम को संक्षिप्त रुप में आपके पास पहुंचाने का यह एक प्रयास है ।

हजारो ज्ञात-अज्ञात क्रांतिकारियों के त्याग, समर्पण और बलिदान के परिणाम स्वरुप हमने स्वतंत्रता प्राप्त की है । इस घटना को अब 75 वर्ष पूर्ण हुए हैं । जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए ऐसे सभी क्रांतिकारी, महापुरुषों का इस अमृत महोत्सव वर्ष में कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करना हमारा कर्तव्य है । जिस जनजाति समाज के लिए हम सभी कार्य कर रहे हैं, ऐसे जनजाति समाज का भी इस स्वतंत्रता प्राप्ति आंदोलन में बहुत बडा योगदान रहा है । इस योगदान को समाज तक ठीक तरह से पहुंचाने के लिए हम प्रयास कर रहे हैं । देश के लगभग 120 विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माध्यम से चल रहे बड़े कार्यक्रम उसी प्रयास का एक हिस्सा है ।

कोरोना काल के कारण पिछले तीन साल अपने संपूर्ण राष्ट्र जीवन को कठिन दौर से गुजरना पड़ा । इस संकट का सामना करते हुए अपना संगठन, जागरण और सेवा कार्य के संतुलन को बनाए रखते हुए कार्यकर्ताओं ने जो परिश्रम किए वह सराहनीय है। संकट की इस घड़ी से हम पूर्णतः बाहर आ चुके हैं, यह प्रतिवेदन पढ़कर आप महसूस करेंगे ऐसा हमारा विश्वास है ।

स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव में दो विशेष घटना हम सबके लिए प्रेरणास्पद रही है। 15 नवंबर यह भगवान बिरसा मुंडा का जन्म दिवस पर हम राष्ट्रीय जनजातीय दिवस गौरव दिवस के रुप में मना रहे थे । संयोग से भारत सरकारने भी इस दिवस को राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस मनाने का निर्णय लेकर एक सराहनीय पहल की है । दुसरी भी घटना उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारत के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद पर जनजाति समाज की श्रीमती द्रोपदी मुर्मू जी को नियुक्त कर वर्तमान में नरेन्द्र मोदी सरकार ने जनजाति समाज का एक न्यायोचित गौरव प्रदान किया है। यह दोनों घटनाएं अपने आप में ऐतिहासिक है, जिसके सकारात्मक तरंग अपने समाज जीवन पर दीर्धकालीन प्रभाव निर्माण करेंगे ऐसा हमारा मानना है। इन दोनों निर्णयों के लिए हम केंद्र सरकार का विशेष अभिनंदन करते है ।

जिस प्रकार यह स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव वर्ष है, उसी प्रकार अपने कल्याण आश्रम ने भी अपने 70 वर्ष की एक सफल यात्रा इसी वर्ष पूर्ण की है । 2027 यह वर्ष कल्याण आश्रम का अमृत महोत्सव वर्ष रहेगा । इस वर्ष को अधिक सफल एवं प्रभावी बनाने के लिए अपने लक्ष्य और उद्देश्य की प्राप्ति हेतु एक दीर्धकालीन योजना का क्रियान्वयन करना हम सबकी जिम्मेदारी है ।

आइए... हम सब मिलकर सामूहिक प्रयास कर इस दिशा में शीघ्र गति से आगे बढ़ने का संकल्प करें ।

भवदीय

योगेश बापट

महामंत्री, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम

जनजाति गौरव दिवस...

15 नवंबर यह भगवान बिरसा मुंडा का जन्म दिवस है। इस दिवस को राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के रूप में कल्याण आश्रम विगत कई वर्षों से मना रहा है। हर्ष की बात यह है कि केंद्र सरकार ने भी 15 नवंबर को राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया है। इसलिए इस बार कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ताओं एवं समाज में विशेष उत्साह देखने को मिला। देश के लगभग सभी प्रांतों में जनजाति गौरव दिवस के कार्यक्रम अत्यंत उत्साह पूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। अनेको जनजाति समाज इन सभी कार्यक्रमों में बड़े उत्साह के साथ सहभागी हुए। देश के हजारों स्थान पर कार्यक्रम हुए जिसमें लाखो लोगों ने भाग लिया।

जशपुर प्रांत में लगभग 260 स्थानों पर जनजाति गौरव दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया, जिसमें लगभग 21 हजार स्त्री-पुरुष सहभागी हुए। गुजरात के राजपीपला में विशाल रैली का आयोजन हुआ, जिसमें 10 हजार से ज्यादा जनजाति बंधु-भगिनी सम्मिलित हुए।

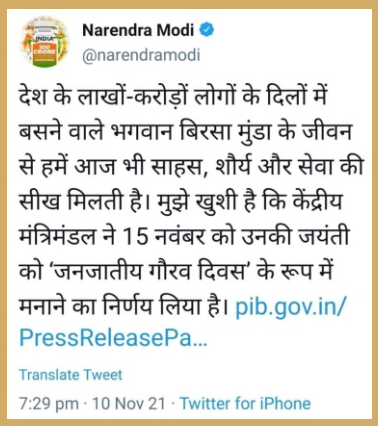

महामहिम राष्ट्रपति जी का स्वागत...

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का राष्ट्रपति पद पर नियुक्त होना संपूर्ण देश के लिए गर्व की बात है। एक जनजाति महिला का देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होने से कल्याण आश्रम के सभी कार्यकर्ताओं एवं समाज में प्रसन्नता ओर बड़ा हर्षोल्लास है। नव निर्वाचित राष्ट्रपति महोदया का स्वागत एवं अभिनंदन करने हेतु कल्याण आश्रम के प्रतिनिधिमंडल ने 5 अगस्त को राष्ट्रपति से भेंट भी की। जनजाति महिलाओं का सशक्तिकरण, विशेषकर पिछड़े जनजाति समूह (PVTGs) और जनजातियों में शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे विभिन्न विषयों पर मा.राष्ट्रपति जी ने अनौपचारिक चर्चा भी की।

माननीय प्रधानमंत्रीजी से भेट...

कल्याण आश्रम के दिवंगत राष्ट्रीय अध्यक्ष और हजारों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत श्रद्धेय जगदेव राम उरांव जी ने 15 जुलाई 2020 को इस दुनिया से विदा ले ली लेकिन उनके विचार तथा उनकी यादें कार्यकर्ताओं को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। उनकी स्मृति को जीवंत बनाये रखने के लिए उनके जीवन पर आधारित हिंदी और अंग्रेजी में फोटो बायोग्राफी कल्याण आश्रम द्वारा प्रकाशित की गई, जिसका सभी जगह व्यापक स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को भी इस पुस्तक की प्रति भेंट की गई।

डिलीस्टींग आंदोलन...

अपनी संस्कृति तथा परंपरा को त्याग कर जिन्होंने अन्य धर्म या मतों का अवलंबन किया हैं ऐसे लोगों को अनुसूचित जनजाति की सूची से हटाने की मांग को लेकर जनजाति सुरक्षा मंच ने एक देशव्यापी आंदोलन प्रारंभ किया है। कल्याण आश्रम के हजारों कार्यकर्ताओं ने इस आंदोलन में सम्मिलित होकर इस मांग का पूर्ण समर्थन किया है। इस मांग को लेकर देश में लगभग 175 जिलों में विशाल रैलियों का आयोजन किया गया। स्वतंत्र भारत के इतिहास में अपने अस्तित्व की रक्षा हेतु संपूर्ण देश का जनजाति समाज पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

विश्व विद्यालयों में सेमीनार...

स्वतंत्रता का यह अमृत महोत्सव है। इस अमृत महोत्सव के निमित्त कल्याण आश्रम ने देश भर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माध्यम से देशभर के लगभग 125 विश्वविद्यालयों में 'स्वतंत्रता संग्राम में जनजातियों का योगदान' इस विषय को लेकर सेमीनार आयोजित करने का निश्चय किया है। जिसमें कल्याण आश्रम के कार्यकर्ता सक्रिय रूप से सहभागी हो रहे हैं। अभी तक 75 विश्व विद्यालयों में सेमीनार हो चुके है। इन सभी स्थान पर जनजाति क्रांतिकारियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

अमृत महोत्सव के निमित्त पश्चिम महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में नगरीय छात्रों के लिए निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें हजारों छात्रों ने बढ़-चढ़कर इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

स्थापना दिवस...

26 दिसंबर कल्याण आश्रम का स्थापना दिवस है। देशभर में इस दिवस को कार्यकर्ता हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। इस साल भी विभिन्न जगहों पर स्थापना दिवस मनाया गया। जशपुर नगर में स्थापना दिवस के निमित्त विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें पारंपरिक वाद्य, नृत्य एवं सामूहिक दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें हजारो लोगों ने हिस्सा लिया। स्थापना दिवस पर होने वाले एसे कार्यक्रम कार्यकर्ताओं को समाज उत्कर्ष के अपने लक्ष्य के प्रति और तीव्रता से कार्य करने की प्रेरणा देते है।

वनाधिकार पहल...

2006 के वनाधिकार कानून का लाभ सभी जनजाति गांव को मिले इसके लिए कल्याण आश्रम प्रयत्नशील है। इसी प्रक्रिया को गति देने के लिए 6 जुलाई 2021 को केंद्रीय वन मंत्रालय एवं जनजाति कार्य मंत्रालय ने एक संयुक्तघोषणा पत्र जारी किया। जिससे वनाधिकार देने की प्रक्रिया को गति मिली है, कल्याण आश्रम के अथक प्रयासों से ही यह संभव हो पाया है।

नारी शक्ति दिवस...

महान स्वतंत्रता सेनानी रानी मां गाइदिनल्यू का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक रहा है। 26 जनवरी को रानी मां का जन्म दिवस है। कल्याण आश्रम ने इस दिवस को नारी शक्ति दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया है। इस निमित्त देशभर में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

Twitter पर कार्यकर्ताओं ने #RaniGaidiniliu और #नारीशक्ति दिवस का हैशटैग भी चलाया, जो ट्रेंडिंग में 1 नंबर पर रहा।

स्वास्थ्य मेला...

सेवा समर्पण संस्थान द्वारा डॉक्टर्स डे के अवसर पर 1 जुलाई 2022 को उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जनपद में 62 गांवों में चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया । जिसमें 540 चिकित्सक सम्मिलित हुए। इन चिकित्सकों द्वारा 31 अलग टीम बनाकर 62 गांवों के लगभग 31,344 मरीजों की चिकित्सा की गई।

इस अभियान में जिला प्रशासन, विश्व आयुर्वेद परिषद, एन. एम. ओ. तथा सेवा भारती का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सामूहिक विवाह...

समय-समय पर कल्याण आश्रम सामूहिक विवाह का आयोजन करता आ रहा है। इस साल कोंकण, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात तथा उत्तर बंग में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 336 जोड़ों ने अग्नि को साक्षी मानकर दामपत्य जीवन का संकल्प लिया।

नेत्र चिकित्सा...

झारखंड के लोहरदगा में प्रति माह दो चिकित्सा शिविरों का आयोजन होता है । साल में 4000 से अधिक ऑपरेशन होते हैं । रांची के डॉ. लकड़ाजी का इसमें बहुत बड़ा सहयोग रहता है, पिछले अनेक सालों से वे यहाँ अपनी सेवा दे रहे है । अब तक हजारों लोगों को इस रुग्णालय के माध्यमसे नई दृष्टि प्राप्त हुई है ।

रेवा संगिनी यात्रा...

वनवासी कल्याण परिषद मध्य भारत एवं महा कोशल प्रांत द्वारा रेवा (नर्मदा) संगिनी सेवा यात्रा का आयोजन किया गया । 17 अप्रेल, 2022 को निकाली गई ईस यात्रा में माँ नर्मदा परिक्रमा के क्षेत्र में आने वाले लगभग 20 गांवों में कल्याण आश्रम की महिला कार्यकर्ताओं ने गर्भवती महिलाओं के लिये चिकित्सा शिविर लगवाये। जिसमें 5000 से ज्यादा गर्भवती महिलाओं की जांच कर उनको आवश्यक मार्गदर्शन एवं चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई।

अमृत महोत्सव विशेषांक...

देश की स्वतंत्रतामें जनजाति समाज का भी बहुत बडा योगदान रहा है । इस योगदान को समाज तक पहुंचाने के लिए अपनी राष्ट्रीय पत्रिका 'वन बंधु' अगस्त माह का विशेषांक "स्वतंत्रता प्राप्ति में जनजाति समाज का योगदान" इस विषय पर समर्पित रहा । उसी प्रकार उदयपुर से प्रकाशित बप्पा रावल मासिक पत्रिका ने भी इसी विषय को लेकर अपना विशेषांक प्रकाशित किया । इन दोनों अंको का देश के सभी क्षेत्र में व्यापक स्वागत हुआ है ।

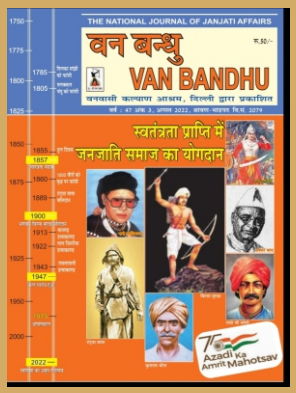

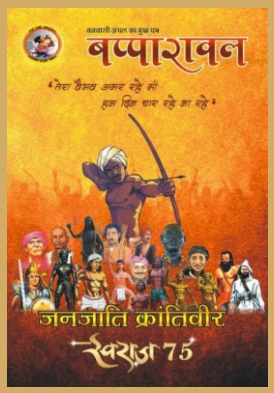

छात्र सम्मान...

श्रीहरि वनवासी विकास समिति की ओर से झारखण्ड माध्यमिक परीक्षा में 85% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 201 भैया/बहनों को राँची में 9 जुलाई 2022 को मेधावी छात्र के रूप में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में सांईनाथ विश्व विद्यालय, रांची के कुलपति डॉ. सूर्यप्रकाश अग्रवाल प्रमुख अतिथि के रुप में उपस्थित थे ।

गीत संग्रह...

जनजाति परंपरा, त्यौहार, उत्सव, लोकगीत, आदि विशेषताओं का डॉक्यूमेंटेशन करना यह भी कल्याण आश्रम का एक महत्वपूर्ण काम है। मणिपुर प्रांत ने तरांव और कोम जनजाति के अनेक पारंपरिक गीतों का संकलन किया है। इसका प्रकाशन 22 अप्रैल 2022 को इंफाल कार्यालय में हुआ। राज्य के राज्यपाल श्री गणेशन जी प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

स्वावलंबी भारत...

संपूर्ण देशमें स्वावलंबी भारत अभियान बडे उत्साह के साथ चल रहा है सभी क्षेत्रो में भारत को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से सभी नागरिक उत्साह के साथ इस अभियान में जुट गए है । विभिन्न संगठनों ने रोजगार के विभिन्न अवसर उपलब्ध कराने हेतु विशेष पहल की है। इस संदर्भ में एक कार्यशाला 30 और 31 जुलाई 2022 को रांची में हुई। जिसमें कल्याण आश्रम के कार्यकर्ता भी सम्मिलित हुए थे। जनजाति युवाओं को आर्थिक दृष्टि से स्वावलंबी बनाने के लिए कल्याण आश्रम प्रयासरत है।

अभ्यास शिविर...

नागपुर (विदर्भ) और बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में नौवीं और दसवीं के छात्रों के लिए निःशुल्क अभ्यास एवं व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया। लगभग एक माह तक इन सभी छात्रों को विभिन्न तज्ञ शिक्षकों ने अंग्रेजी, गणित और विज्ञान विषय पर मार्गदर्शन किया। साथ ही साथ छात्रों के व्यक्तित्व विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रम किए गए। दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्रों के लिए 25 दिन का विशेष अभ्यास शिविर जशपुरनगर और नागपुर में लगाया गया। जशपुर में 108 और नागपुर में 65 छात्रों ने इन शिविरों में मार्गदर्शन प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हुये कोचिंग शिविर में 70 छात्राएं और 30 छात्रों ने भाग लिया। नागालैंड में भी इसी प्रकार के कोचिंग कैंप का भी आयोजन हुआ। कल्याण आश्रम द्वारा संचालित लगभग सभी विद्यालयों और छात्रावासों के दसवीं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा।

युवा कार्य...

बिलासपुर में निर्माण प्रकल्प से अच्छे परिणाम सामने आना शुरु हुए हैं । नियमित मार्गदर्शन के लिए 250 छात्र-छात्राओं ने रजिस्ट्रेशन किया । जिसमें से एक छात्र और एक छात्रा असिस्टेंट प्रोफेसर, एक छात्र डिप्युटी फॉरेस्ट रेंजर और दो शिक्षक पद पर नियुक्त हुए । बिलासपुर में ही एक लाइब्रेरी प्रारंभ हुई है, जिसका लाभ 75 छात्र छात्राएं ले रहे हैं । पश्चिम महाराष्ट्र के पुणें में लॉ कॉलेज के छात्रों के लिए एक हेरिटेज वॉक का आयोजन हुआ, जिसके अंतर्गत रायगढ़ जिले के ऐतिहासिक गांव चीरनेर में छात्रों ने वहां के जनजाति क्षेत्र में हुए जंगल सत्याग्रह के बारे में जानकारी प्राप्त की ।

जनजाति क्षेत्र का अनुभव प्राप्त करने के लिए विभिन्न कॉलेजों के छात्र इंटर्नशिप करने के लिए जनजाति क्षेत्र जाते हैं । इस बार वर्धा से एमएसडबल्यू के 15 छात्र गडचिरोली गए थें । उसी प्रकार नासिक महाराष्ट्र के 80 मेनेजमेंट का एक शिविर कल्याण आश्रम के गुही प्रकल्प पर हुआ । सभी छात्रों के अनुभव संस्मरणीय रहे ।

सरहुल महोत्सव...

जशपुर क्षेत्र में सरहुल का अलग महत्व है। जनजाति समाज के इस महत्वपूर्ण त्यौहार को कल्याण आश्रम ने जशपुर केंद्र पर बड़ी धूमधाम से मनाया। 2 अप्रैल 2022 को हुए इस कार्यक्रम के निमित्त शहर में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों जनजाति बंधु-भगिनी अपने पारंपारिक वेशभूषा में नृत्य करते हुए सरना स्थल पहुंचे। जहां सभी लोगों ने अत्यंत श्रद्धापूर्वक सरना माता की पूजा की। शोभा यात्रा से पहले एक बैगा सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसमें 250 बैगा (भगत) उपस्थित थे। संपूर्ण कार्यक्रमों में महिलाओं की सक्रीय सहभागिता प्रशंसनीय थी।

सेवा सम्मान...

कल्याण आश्रम के माध्यम से समाज के लिए निरपेक्ष भाव से कार्य करने वाले कार्यकर्ता श्री अर्णव हाजोंग, श्री शांताराम सिद्धि तथा श्री मेघा उरांव इन तीनों को संत ईश्वर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जो हमारी एक उपलब्धि है। 21 नवंबर 22 को दिल्ली में हुए इस कार्यक्रम में पूजनीय सरसंघचालक डॉ मोहन जी भागवत प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

उसी प्रकार बांसवाड़ा राजस्थान के अपने पूर्व छात्र एवं प्रांत कार्यकारिणी सदस्य श्री धनेश्वर मईड़ा को भारतीय तीरंदाजी टीम का कोच नियुक्त किया गया है। अपने मणिपुर प्रांत की संगठन मंत्री सुश्री डोंशिनल्यू को इंफाल में रोंगमई इंडीजीनस फेथ नागा कम्युनिटी ऑर्गेनाइजेशन की तरफ से उन्हें सामाजिक कार्य के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया।

रोहतासगढ़ यात्रा...

रोहतासगढ़ में इस बार भी माघी पूर्णिमा के अवसर पर 16 फरवरी को एक विशेष तीर्थ यात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें बिहार, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ प्रांत से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर रोहतासगढ़ तीर्थयात्रा के अध्यक्ष श्री गणेश राम जी भगत विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित थे। कल्याण आश्रम के दिवंगत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रद्धेय जगदेव राम जी की प्रेरणा से रोहतासगढ़ यात्रा का प्रारंभ हुआ है । हर साल उरांव समाज के हजारो लोग इस यात्रा में सम्मिलित होकर प्रेरणा प्राप्त करते है ।

राहत कार्य...

असम में आई भीषण बाढ़ में कल्याण आश्रम असम द्वारा कार्बियांगलोंग जिला के बाढ प्रभावित क्षेत्र में जेम्स एंड जोयलरी नेशनल रिलीफ फाउन्डेशन के विशेष सहयोग से सतगांव, भेलापारा, कावई मारी, लुंगफोई, जरजूरी, आदि विभिन्न स्थानों पर कुल 17 गांवों के 800 परिवार को राहत सामान पहुंचाया गया । जिसके अंतर्गत चावल, दाल, ब्लीचिंग पाउडर और तिरपाल वितरित किया गया । समाज पर आये संकट के समय में कल्याण आश्रम के कार्यकर्ता निरपेक्ष भाव के साथ सेवा के लिए आगे आते है, इसका प्रत्यक्ष अनुभव समाजने किया।

सूर्यनमस्कार...

मकर संक्रांत से रथ सप्तमी तक संपूर्ण देश के लगभग सभी छात्रावासों में सूर्यनमस्कार अभियान का आयोजन हुआ। छात्रावासों के छात्र-छात्राएं तथा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में इस महायज्ञ में सम्मिलित हुए। कोंकण प्रांत ने संपूर्ण प्रांत के कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर एक बहुत बड़ा अभियान किया था जिसमें लगभग 6,062 कार्यकर्ताओं ने सहभागी होकर कुल 1,36,787 सूर्यनमस्कार किए। राष्ट्रीय क्रीडा भारती की ओर से जो अभियान चलाया गया था उसमें कोंकण प्रांत ने इस अभियान को बडे उत्साहपूर्ण वातावरणमें सफल बनाया।

अयोध्या छात्रावास...

अयोध्या प्रभु श्री रामचन्द्र जी की जन्मभूमि है। पवित्र अयोध्या नगरी में स्थित कल्याण आश्रम के छात्रावास में 3 अप्रैल 2022 को स्व. अर्जुनदास खत्री स्मृति भवन का लोकार्पण हुआ। इस कार्यक्रम में श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के श्रीमान चंपत राय जी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री अतुल जोग और विभिन्न गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के सभी क्षेत्र से कार्यकर्ता बडी संख्या में उपस्थित थे। अयोध्या जैसे ऐतिहासिक नगरी में कल्याण आश्रम का भवन सबके लिए प्रेरणा दायी रहेगा ऐसा विश्वास है ।

मा. अध्यक्ष जी का प्रवास...

कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. श्री रामचंद्र खराडी जी का देश के विभिन्न प्रांतों में अध्यक्षीय प्रवास हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व स्वीकारने के बाद मा.खराडी जी का यह पहला प्रवास था। कोलकाता, नामसाई, नागपुर, नासिक, पुणे, दिल्ली, पंजाब आदि प्रांतो में कार्यकर्ताओं से मिलना, जनजाति नेताओं से वार्तालाप ऐसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ था। मा. अध्यक्ष जी द्वारा ऊर्जा प्रदान करनेवाले प्रवास से सभी कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है ।

प्रशिक्षण...

किसी भी संगठन के लिए प्रशिक्षण यह अत्यंत आवश्यक विषय है। अपना कार्य अत्याधिक प्रभावी पद्धति से पूर्ण करने के लिए अपना कार्य, कार्य पद्धति तथा वैचारिक भूमिका, इसके बारे में स्पष्टता रहने की आवश्यकता को देखकर कल्याण आश्रम ने पिछले साल सभी आयामों के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण वहां लगाया। प्रांत संगठन मंत्री, चयनित पूर्णकालीन कार्यकर्ता और सभी आयामों के क्षेत्रीय वर्ग उत्साह से संपन्न हुए। कार्य की वैचारिक भूमिका स्पष्ट करने के लिए इसका काफी उपयोग रहा। कोराना काल के बाद सभी कार्यकर्ताओं का इस निमित्त प्रत्यक्ष मिलना भी हुआ ।

रक्षाबंधन...

कल्याण आश्रम के कार्यकर्ता हर वर्ष रक्षाबंधन का उत्सव बडे उत्साह के साथ मनाते है क्योंकि इस उत्सव को समाज से संपर्क करने का एक प्रमुख माध्यम हम मानते है। सभी छात्रावासों तथा विद्यालयों के छात्र एवं सभी कार्यकर्ता समाज में जाकर बंधुत्व का भाव जगाने का कार्य करते है। इस वर्ष भी कार्यकर्ताओं ने रक्षाबंधन का पर्व बडे उत्साह के साथ मनाया। जनजाति गाँव के साथ-साथ नगरो तथा महानगरो में भी कार्यकर्ताओ ने समाज के साथ संपर्क किया। पुलिस, प्रशासन के साथ साथ सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिको को भी महिला कार्यकर्ताओं ने राखी बांधी।

जनजाति वीरों की भव्य रंगोली...

महाराष्ट्र के नासिक महानगर में गोदावरी तट पर नव वर्ष के निमित्त एक विशाल रंगोली निकाली जाती है। इस बार यह रंगोली जनजाति वीरों को समर्पित रही। विभिन्न जनजाति वीरों की भव्य रंगोली निकाल कर जनजाति वीरों को अभिवादन किया गया।

जशपुर में कृषि विषयक प्रयोग...

जशपुर क्षेत्र में पिछले दो साल से विभिन्न प्रयोग किए जा रहे हैं। जिसमें सेब की खेती करने का एक नया प्रयोग हुआ। साथ में सब्जी, धान बड़ी मात्रा में उगाने का भी प्रयोग काफी यशस्वी रहा। कल्याण आश्रम की खेती में एक बडा तालाब भी बनाया हैं जिसके कारण खेती करना और आसान होगा यह सभी प्रयोग संपूर्ण जशपुर क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया हैं।

कार्यशाला...

दृष्टि स्त्री अध्ययन केंद्र के माध्यम से कुछ साल पहले जनजाति क्षेत्र की महिलाओं का एक व्यापक सर्वेक्षण किया गया। इस सर्वेक्षण में आए बिंदुओं को आगे बढ़ाने हेतु अनुवर्ती प्रयास के रुप में एक कार्यशाला का आयोजन झारखंड के बोकोरा में किया गया। जिसमें झारखंड बिहार एवं अन्य क्षेत्रों की महिला समस्याओं के बारे में विचार किया गया।

घर घर तिरंगा अभियान...

॥ चलो जलाएँ दीप वहाँ, जहाँ अभी भी अंधेरा है ॥

तू - मैं एक रक्त

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम

मुख्य कार्यालय

वनवासी कल्याण आश्रम, जशपुरनगर-496 331. (छत्तीसगढ)
Phone : +91 7763 223253, 223439, 220753, 220875 | Mobile : +91 94241 90807
E-mail : kalyanashram1952@gmail.com

प्रशासनिक कार्यालय

वनवासी कल्याण आश्रम, 35, चंचल स्मृति, जी.डी.अंबेकर मार्ग, वडाला, मुंबई-400 031. (महाराष्ट्र)
Phone : +91 22 24129615 | Fax : +91 22 24131969 | Mobile : +91 94219 45526, 99693 46953
E-mail : kalyanashram2010@gmail.com

www.kalyanashram.org
@ABVanvasiKalyanAshram
@abvkaorg
@Akhil Bhartiya Vanvasi Kalyan Ashram Bharat